

DR. TRIPURANENI HANUMAN CHOWDARY

Dr. Tripuraneni Hanuman Chowdary is the founder Director of the Center for Telecom Management & Studies; Director of a number of I.T companies like Sify Technologies and Tera Software; Chairman of Governing Councils of a number of Engineering Colleges and Pragna Bharati, a Fellow of Tata Consultancy Services and Editor of several Indian and foreign journals. He is widely recognized as the spiritual father of private telephone companies in India and the initiator of e-governance and computer education in schools and the emergence of private engineering colleges in Andhra Pradesh.

2. Born on October 18, 1931 in a farmer's family of Angaluru, Krishna District of Andhra Pradesh, Dr Chowdary had secondary education in Telugu medium; Intermediate in Loyola College; graduated in 1952 in Telecommunications from the College of Engineering , Guindy both in Chennai. He was in All India Radio (1952-56) and DOT (1956-89). In the DOT, he held directorial and managerial posts in Delhi, West Bengal, Gujarat, Maharashtra ad Andhra Pradesh. He was the first Chairman and Managing Director of the Videsh Sanchar Nigam Limited.

3. As Chief of Telecoms in several cities and States, Dr Chowdary introduced many new practices which later became all-India applicable such as : no service, no rent; public telephones (PTs) in grocer shops; PTs operated by physically disabled persons with commission paid to them; telephone adalats to resolve user complaints, direct dialing between groups of rural exchanges, direct dialing of long distance calls by subscribers served by manual telephone exchanges, getting bhoo-daan for telephone exchange buildings in rural areas; operationalising own-your-telephone (OYT) exchange scheme; subscriber and employee education through journals and booklets involving public especially peoples representatives and workers in all expansion and service improvement measures; promotion of employee's co-operative house-building societies in towns and cities.

4. Dr Chowdary, advocated de-monopolization and private sector participation in telecom services and manufacture of equipment to bring new technologies, capital, new services and falling prices. He got telecoms and I.T. into public debate and election manifestos.

5. As I.T Advisor to Government of Andhra Pradesh, as Member of Prime Minister's National Task Force on Software and I.T (1998-99), Dr Chowdary played a major role in shaping the national telecom (1994 &1999) and I.T, Internet and Software Policies for e-governance and e-commerce.

6. At Videsh Sanchar Nigam, he extended international subscriber dialing from seven to all countries in the world including USSR and China; from increased revenues, he secured Governorship for India and himself in the International Telecom Satellite Corporations, INTELSAT, Washington and INMARSAT, London.

7. Dr Chowdary won international recognition for his telecom operational, management, planning and restructuring and regulation expertise leading to his being engaged by the International Telecom Union (ITU) as Technical and Planning Adviser to governments of Guyana, Yemen, South Africa and Nepal.

8. Dr Chowdary won professional honours by election as a Fellow of the Institution of the Engineers(IE); Distinguished Fellow of Institution of Electronics and Telecom Engineers (IETE) and President of the IETE; Membership of the Editorial Boards of prestigious foreign telecom and IT journals, invited speaker at several International Conferences, a Doctorate, Honoris Causa from the Jawaharlal Nehru Technological University (JNTU) and visiting Professorship at the technical University Lungby, Denmark; McLauren School of Business at San Francisco; Beijing University of Posts Telegraphs and Andhra University, Visakhapatnam.



डॉ. त्रिपुरनेनि हनुमान चौदरी

डॉ. त्रिपुरनेनि हनुमान चौदरी सेन्टर फॉर टेलिकॉम मेनेजमेंट एंड स्टडीज के संस्थापक निदेशक; सिफि टेक्नोलाजीस एंड टेरा सोफ्टवेयर जैसी अनेक आई टी कंपनियों के निदेशक; अनेक इंजिनियरिंग कॉलेजों के शासकीय परिषदों और प्रज्ञा भारती के अध्यक्ष, टाटा कंसल्टेसी सर्विसेज के फेलो तथा कई भारतीय एवं विदेशी जरनलों के सम्पादक हैं। आप भारत में निजी टेलिफोन कंपनियों के आध्यात्मिक फादर एवं ई-शासन तथा विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा तथा आंध्र प्रदेश निजी इंजिनियरिंग कॉलेजों के अस्तित्व में लाने के प्रेरणा स्रोत रहे हैं।

2. आपका जन्म आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के अंगलूरू में एक किसान परिवार में 18 अक्तूबर, 1931 को हुआ था। आपने तेलगू माध्यम से माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की; लोयोला कॉलेज से उच्चतर माध्यमिक एवं कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग; गिंडी से टेलीकम्यूनिकेशन्स में वर्ष 1952 में स्नातक किया। ये दोनों संस्थाएं चेन्नई में स्थित हैं। आप आकाशवाणी में (1952-56) तथा डीओटी (1956-89) में कार्यरत रहे। डीओटी में आप निदेशकीय एवं प्रबंधकीय पदों पर दिल्ली, पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र एवं आंध्र प्रदेश में कार्यरत रहे। आप विदेश संचार निगम लिमिटेड के प्रथम अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रहे।

3. टेलीकॉम प्रमुख के रूप मे कई शहरों एवं राज्यों में आपने अनेक ऐसी नई परंपराएं शुरू की जो बाद में संपूर्ण भारत में अपनाई गई, इनमें से –सेवा नहीं किराया नहीं, किराने की दुकान में पब्लिक टेलीफोन (PT) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को कमीशन का भुगतान कर उनके द्वारा पी टी का संचालन, प्रयोक्ता की शिकायतों के निवारण हेतु टेलीफोन अदालत, ग्रामीण एक्सचेंजों के समूहों के बीच डाइरेक्ट डाइलिंग, मैनुअल टेलीफोन एक्सचेंजों द्वारा जिन उपभोक्ताओं को सेवा मुहैया कराई जाती है, उनके द्वारा लंबी दूरी के कॉलों के लिए डाइरेक्ट डाइलिंग; ऑपरेशनलाइजिंग आन योर टेलीफोन एक्सचेंज स्कीम, जनता को विशेषत: जनता के प्रतिनिधियों एवं सभी श्रेणियों के कामगारों को शामिल करते हुए जर्नलों एवं बुकलेटों के माध्यम से उपभोक्ता एवं कर्मचारी शिक्षा और सेवा-विस्तार उपायों; शहरों एवं कस्बों में कर्मचारी सहकारी गृह निर्माण समितियों को संवर्धन आदि प्रमुख हैं।

4. आपने टेलीकॉम सेवाओं में एकाधिकारवाद को समाप्त करने एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी और नई तकनीकियों को लाने हेतु उपकरणों के विनिर्माण, पूंजी, नई सेवाओं एवं कम कीमतों की वकालत की। आपने टेलीकॉम एवं आई टी को लोक चर्चा और चुनावी घोषणाओं का विषय बना दिया।

5. आंध्र प्रदेश के आई टी सलाहकार, सॉफ्टवेयर एवं आई टी पर प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय कार्यबल के सदस्य (1998-99) के रूप में आपने राष्ट्रीय टेलीकॉम (1994 एवं 1999) और ई-शासन एवं ई-वाणिज्य के लिए आई टी इंटरनेट एवं सॉफ्टवेयर नीतियों को मार्गदर्शन देने में प्रमुख भूमिका निभाई।

6. विदेश संचार निगम में आपने अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता डायलिंग को सात देशों से बढ़ाकर यू एस एस आर और चीन सहित सभी देशों तक विस्तार किया; बढ़े हुए राजस्व से आपने इंटरनेशनल टेलीकॉम सेटेलाइट कॉरपोरेशन्स, INTELSAT वाशिंगटन एवं INMARSAT लंदन में भारत एवं स्वयं के लिए गवर्नरशिप प्राप्त किया।

7. आपकी टेलीकॉम प्रचलनात्मक, प्रबंधनीय, योजना एवं पुन: संरचना तथा विनियमन विशेषज्ञता के कारण आपको अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली जिसके कारण इंटरनेशनल टेलीकॉम यूनियन द्वारा आपको गुयाना, यमन, दक्षिण अफ्रीका एवं नेपाल की सरकारों के लिए तकनीकी एवं योजना सलाहकार के रूप में नियोजित किया गया।

8. आपको इंस्टिट्युशन ऑफ द इंजिनियर्स (IE) द्वारा फेलो, इंस्टिट्युशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड टेलीकॉम इंजीनियर्स (IETE) के प्रतिष्ठित फेलो; विदेशों के प्रतिष्ठित टेलीकॉम एवं आई टी जर्नलों के संपादकीय बोर्डों की सदस्यता, कई एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित वक्ता, जवाहर लाल नेहरू तकनीकी विश्वविद्यालय (JNTU) से डॉक्टरेट की मानद-उपाधि, टेक्निकल यूनिवर्सिटी लुंगवी, डेनमार्क, सेन फ्रांसिसको स्थित मेकलारेन स्कूल ऑफ बिजनेस; बीजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ पोस्टल टेलीग्राफ्स **एवं** आंध्र विश्वविद्यालय में अतिथि प्रोफेसरशिप के पदों जैसे पेशेवर सम्मानों से सम्मानित किया गया।